X 2013

Series RSH/2

कोड नं. **4/2/3**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

संकलित परीक्षा – II
SUMMATIVE ASSESSMENT – II

हिन्दी
HINDI

(पाठ्यक्रम ब)
(Course B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 90*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 90*

निर्देश : *(i)* *इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं– क, ख, ग और घ ।*

(ii) *चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

प्रेम की भावना मानव-समाज में जितनी व्यापक है, वास्तविक अर्थों में वह उतनी ही दुर्लभ भी है । संसार के सभी प्राणियों के बीच सहज प्रेम का एक अदृश्य सम्बन्ध होते हुए भी त्याग और संयम की नींव पर पल्लवित होते प्रेम का दर्शन विरले को ही होता है । मनुष्य अनेक बाह्याडंबरों और पाखंडों को तो निभाता है किन्तु प्रेम का ढाई अक्षरों का अत्यंत क्षुद्र पर अपने महत्त्व में पर्वताकार पाठ पढ़ने के प्रति उपेक्षा दिखाता है । सब प्राणियों में निश्छल प्रेम एवं सबमें समानता का समदर्शी भाव रखना ही मानव की श्रेष्ठतम साधना और सिद्धि है । सबके प्रति दया, करुणा, संवेदना और त्याग के सम्मिलित भावपुंज का ही नाम प्रेम है । मानव का यही सर्वोत्कृष्ट लक्ष्य है । प्रेम को साक्षात् ईश्वर ही कहा गया है । निःस्वार्थ प्रेम का स्वरूप अलौकिक होता है और त्याग ही उसकी सच्ची कसौटी मानी जाती है ।

(i) प्रेम की भावना को व्यापक क्यों माना गया है ?
- (क) जड़-चेतन में समान रूप से समाया रहता है
- (ख) सभी प्राणियों में विद्यमान रहता है
- (ग) सबको समान रूप से सुख देता है
- (घ) सभी सम्बन्धों का आधार होता है

(ii) प्रेम पल्लवित होता है
- (क) स्वार्थ और धन की नींव पर
- (ख) इस हाथ ले उस हाथ दे की नींव पर
- (ग) त्याग और संयम की नींव पर
- (घ) निःस्वार्थ मन और शरीर की नींव पर

(iii) लेखक ने प्रेम की कसौटी किसे माना है ?
- (क) बाह्य आडंबर को
- (ख) त्यागभाव को
- (ग) सांसारिक लगाव को
- (घ) दया एवं संवेदना को

(iv) मानव की श्रेष्ठ साधना है, प्राणियों में

(क) प्रेम एवं समानता

(ख) छल-कपट का अभाव

(ग) त्याग एवं संयम का पालन

(घ) रीतिरिवाजों क़ा निर्वाह

(v) गद्यांश का उचित शीर्षक है

(क) अदृश्य संबंध

(ख) साधना और सिद्धि

(ग) स्वार्थवश प्रेम

(घ) निःस्वार्थ प्रेम

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

साहित्य अपने युग का भावात्मक तथा रागात्मक चित्र प्रस्तुत करता है जो तत्कालीन समाज को शिक्षा प्रदान करता है । प्रत्येक युग में दो प्रकार के साहित्य का सृजन होता है । एक सामाजिक दायित्व है जो युग की अनेक समस्याओं का आकलन और मूल्यांकन युग विशेष की प्रचलित मान्यताओं और विचार-सरणियों से करता है । ऐसा साहित्य समाज का तत्कालीन दर्पण तो बन जाता है किन्तु उन समस्याओं का हल प्रस्तुत हो जाने पर उस साहित्य का मूल्य घट जाता है । ऐसा साहित्य कुछ वर्षों तक युग की परिस्थितियों की माँग का सिंदूर बना रहता है; किन्तु कालांतर में परिस्थितियों के बदल जाने पर वह नष्ट हो जाता है । शाश्वत साहित्य अपने युग के प्रतिनिधित्व करते हुए युग-युग का बन जाता है । वह किसी काल की सीमा-रेखा से बँधा नहीं होता । अधिकतर ऐसा साहित्य अपने युग में उतना सम्मान नहीं पाता जितना भविष्य में ।

(i) किसी युग का भावात्मक चित्र क्या होता है ?

(क) शैक्षिक तथा सांस्कृतिक

(ख) सामाजिक तथा आध्यात्मिक

(ग) समस्यात्मक तथा समाधानात्मक

(घ) विचारात्मक तथा मूल्यात्मक

(ii) किस प्रकार का साहित्य समाज का प्रतिबिम्ब प्रस्तुत करता है ?

(क) सांस्कृतिक मान्यताओं का आकलन करने वाला

(ख) सामाजिक दायित्व का निर्वाह करने वाला

(ग) युगीन विचारों की अभिव्यक्ति करने वाला

(घ) धार्मिक विचारों का प्रचार-प्रसार करने वाला

(iii) साहित्य का मूल्य घट जाता है

(क) युग की परिस्थितियाँ बदल जाने पर

(ख) समाज का विरोध किए जाने पर

(ग) समस्याओं का हल हो जाने पर

(घ) समस्याएँ नहीं होने पर

(iv) शाश्वत साहित्य

(क) वर्तमान युग का होता है

(ख) बीते हुए युग का होता है

(ग) केवल अपने युग का होता है

(घ) सभी युगों का हो जाता है

(v) गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है

(क) साहित्य समाज का दर्पण

(ख) साहित्य समाज का शिक्षक

(ग) शाश्वत साहित्य

(घ) साहित्य : युग की माँग

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

हम प्रभात की नई किरण हैं, हम दिन के आलोक नवल,
हम नवीन भारत के सैनिक धीर, वीर, गंभीर, अचल ।
हम प्रहरी ऊँचे हिमाद्रि के सुरभि-स्वर्ग की लेते हैं
हम हैं शांतिदूत धरणी के छाँह सभी को देते हैं
वीरप्रसू माँ की आँखों के हम, नवीन उजियाले हैं
गंगा, यमुना, हिन्द महासागर के हम रखवाले हैं ।
हम सपूत उनके, जो नर थे, अनल और मधु के मिश्रण
जिसमें नर का तेज प्रखर था, भीतर था नारी का मन ।
एक नयन संजीवन जिनका एक नयन था हालाहल
जितना कठिन खड्ग था कर में उतना ही अंतर कोमल
थर-थर तीनों लोक काँपते थे जिनकी ललकारों पर
स्वर्ग नाचता था रण में जिनकी पवित्र तलवारों पर ।।
हम उन वीरों की संतान, जियो जियो ऐ हिन्दुस्तान ।।

(i) कविता में 'हम' कौन हैं ?

(क) देश के मज़दूर
(ख) देश के नवयुवक
(ग) देश के सैनिक
(घ) देश के शासक

(ii) 'वीरप्रसू माँ' कौन है ?

(क) वीरों को ख़ुश रखने वाली धरती
(ख) वीरों की निगरानी करने वाली धाय
(ग) वीरों को जन्म देने वाली भारत-माँ
(घ) वीरों को प्राणशक्ति देने वाली देश की प्रकृति

(iii) कविता में 'अनल और मधु' किसके प्रतीक हैं ?

(क) पानी और आग के

(ख) विष और अमृत के

(ग) क्रोध और प्रेम के

(घ) अशांति और शांति के

(iv) आशय स्पष्ट कीजिए — 'एक नयन संजीवन जिनका एक नयन था हालाहल' ।

(क) पूर्वजों के व्यक्तित्व में शांति और क्रोध का मिश्रण था ।

(ख) पूर्वजों के व्यक्तित्व में चेतनता और जड़ता का मिश्रण था ।

(ग) पूर्वजों के व्यक्तित्व में अमृत और विष का मिश्रण था ।

(घ) पूर्वजों के व्यक्तित्व में प्रकाश और अंधकार का मिश्रण था ।

(v) 'तलवार' शब्द का समानार्थक शब्द ***नहीं*** है

(क) असि

(ख) खड्ग

(ग) करवाल

(घ) भुजंग

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

हाय हमने भी कुलीनों की तरह
जन्म पाया, प्यार से पाले गए ।
जी बचे, फूले-फले तब क्या हुआ,
कीट से भी नीचतर माने गए ।
जन्म पाया पूत हिन्दुस्तान में
अन्न खाया औ यहीं का जल पिया ।
धर्म अपने का हमें अभिमान है
नित्य लेते नाम सर्वशक्तिमान का ।
पर अजब इस लोक का व्यवहार है

न्याय है संसार से जाता रहा
श्वान छूना भी जिन्हें स्वीकार है
है उन्हें भी हम अभागों से घृणा ।।
जिस गली से उच्च कुल वाले चलें
उस तरफ चलना हमारा दंड्यं है
धर्मग्रंथों की व्यवस्था है यही,
या किसी कुलवान् का पाखंड है ?

(i) कविता में कुलीन शब्द किनके लिए प्रयुक्त हुआ है ?
(क) उच्च वर्ग के लिए
(ख) निम्न वर्ग के लिए
(ग) अस्पृश्य वर्ग के लिए
(घ) धनहीनों के लिए

(ii) किस लोक-व्यवहार को अजब कहा गया है ?
(क) न्यायसंगत व्यवहार को
(ख) धर्मसंगत व्यवहार को
(ग) घृणापूर्ण व्यवहार को
(घ) ईर्ष्या और वैर के व्यवहार को

(iii) पद्यांश की अंतिम दो पंक्तियों में व्यंग्य है
(क) न्याय-व्यवस्था पर
(ख) कुलीनों एवं धर्मग्रंथों पर
(ग) धनवानों पर
(घ) पुराणपंथियों पर

(iv) कविता में वर्णित हिन्दुस्तानियों की विशेषता ***नहीं*** है
(क) अपने देश में जन्म
(ख) अपने धर्म का पालन
(ग) अपने देश के अन्न का भोग
(घ) ईश्वर में अनास्था

(v) निम्नलिखित में श्वान का समानार्थक शब्द है :

(क) केसरी

(ख) अश्व

(ग) मृग

(घ) कुत्ता

खण्ड ख

5. (क) निम्नलिखित में रेखांकित पदबंधों के प्रकार लिखिए : 1×2=2

(i) मोहल्ले भर के लोग वहाँ इकट्ठे हो गए ।

(ii) कार्यालय ऊपर की ओर है ।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए : 1×3=3

(i) भारत की प्रसिद्ध नृत्यांगना आज आने वाली है ।

(ii) वह दौड़कर मैदान में जाता है ।

(iii) वे हमेशा छोटी बात को बढ़ाकर बोलते हैं ।

6. (क) निम्नलिखित वाक्य का रचना की दृष्टि से प्रकार लिखिए : 1

जान पड़ता है कि अब उनका आंदोलन नहीं चल पाएगा ।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए : 1×2=2

(i) उसने खेल में भाग लिया । उसकी विजय हुई । (संयुक्त)

(ii) मेरे मोहल्ले के पार्क में तुम जा सकते हो । (मिश्र)

(ग) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1×3=3

(i) गाय को काटकर चारा खिलाया जा रहा है ।

(ii) मैं पाठ पढ़ा ।

(iii) तुम ये किताब कहाँ से खरीदे ?

7. (क) निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए : $\frac{1}{2} \times 2 = 1$

परि + आवरण, स्वर + उदय ।

(ख) निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए : $1 \times 2 = 2$

विश्रामालय, प्रत्युपकार ।

8. (क) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए : 1

शिला में लेख

(ख) निम्नलिखित का विग्रह कर समास का नाम लिखिए : 1

सुयश

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों का वाक्यों में प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : $1 \times 4 = 4$

(i) क़लई खुलना

(ii) अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत

(iii) जान पर खेलना

(iv) तूती बोलना

खण्ड ग

10. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3 \times 2 = 6$

(क) 'गिरगिट' शीर्षक की सार्थकता को स्पष्ट करते हुए किसी अन्य उपयुक्त शीर्षक का कारण-सहित सुझाव दीजिए ।

(ख) "मनुष्य की स्वार्थी प्रवृत्ति प्राकृतिक असंतुलन का मुख्य कारण है" — 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर प्रस्तुत कथन की समीक्षा कीजिए ।

(ग) जापान में तनावमुक्त होने के लिए कौन-सी परंपरा है ? इस सम्बन्ध में 'झेन की देन' पाठ के लेखक के अनुभूत तथ्य का विवरण प्रस्तुत कीजिए ।

11. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

कागद पर लिखत न बनत, कहत संदेसु लजात ।
कहिहै सबु तेरौ हियौ, मेरे हिय की बात ।।

(i) नायिका अपना संदेशा नायक तक क्यों नहीं भेज पा रही है ?

(क) लिखने में असमर्थता के कारण

(ख) लाज के कारण

(ग) दूर रहने के कारण

(घ) अस्वस्थ रहने के कारण

(ii) नायिका ने अपने मन की बात नायक को कैसे कही ?

(क) पत्र लिखकर

(ख) संकेत देकर

(ग) हृदय से

(घ) आँखों से

(iii) नायक नायिका की बात कैसे समझेगा ?

(क) नायिका के पत्र से

(ख) अपने हृदय से

(ग) नायिका के स्वप्नदर्शन से

(घ) नायिका के इशारे से

(iv) 'सँदेसु' शब्द का शुद्ध तत्सम शब्द है

(क) स्वदेश

(ख) संदेश

(ग) संदेस

(घ) सदेश

(v) प्रस्तुत दोहा किस भाषा में लिखा गया है ?

(क) आधुनिक हिन्दी

(ख) अवधी

(ग) भोजपुरी

(घ) ब्रज

अथवा

'मनुष्यमात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है,
पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है ।
फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं,
परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद हैं ।
अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे ।।

(i) 'मनुष्यमात्र बंधु है' का आशय क्या है ?

(क) मनुष्यमात्र को अपना भाई समझना

(ख) मनुष्यमात्र को अलग-अलग समझना

(ग) मनुष्यमात्र के अलग-अलग कर्म होना

(घ) मनुष्यमात्र के द्वारा परिश्रम किया जाना

(ii) प्रत्येक मनुष्य अपना बंधु कैसे है ?

(क) एक राष्ट्र में जन्म लेने से

(ख) एक प्रांत में जन्म लेने से

(ग) एक जैसा खाना खाने से

(घ) सभी परमेश्वर की संतान होने से

(iii) मानवमात्र में बाहरी अंतर क्यों दिखाई देता है ?

(क) भिन्न जलवायु के कारण

(ख) मानव की कर्म भिन्नता के कारण

(ग) माता-पिता की भिन्न प्रकृति के कारण

(घ) भिन्न देशों में जन्म के कारण

(iv) सबसे बड़ा अनर्थ क्या है ?

(क) भाई का भाई से लगाव

(ख) भाई का भाई से विलगाव

(ग) भाई की भाई के प्रति कुटिलता

(घ) भाई-भाई में सहानुभूति का अभाव

(v) पद्यांश में कवि का मुख्य संदेश क्या है ?

(क) ईश्वर के प्रति कृतज्ञता

(ख) आपसी भाईचारे का भाव

(ग) पर के प्रति अनर्थ का अभाव

(घ) पर के प्रति अपनत्व का भाव

12. 'गिरगिट' कहानी में समाज की किन विसंगतियों पर व्यंग्य किया गया है ? क्या आप उन विसंगतियों को अपने समाज में भी देखते हैं ? उनके निराकरण के लिए उपयुक्त सुझाव दीजिए । *5*

अथवा

"गांधीजी के नेतृत्व में अद्‌भुत क्षमता थी ।" उदाहरण देकर इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

13. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

वे दिन में कई बार आते-जाते हैं । और क्यों न आएँ-जाएँ ? आख़िर उनका भी घर है । लेकिन उनके आने-जाने से हमें परेशानी भी होती है । वे कभी किसी चीज़ को गिराकर तोड़ देते हैं । कभी मेरी लाइब्रेरी में घुसकर कबीर या मिर्ज़ा ग़ालिब को सताने लगते हैं । इस रोज़-रोज़ की परेशानी से तंग आकर पत्नी ने उस जगह, जहाँ उनका आशियाना था, एक जाली लगा दी है, उनके बच्चों को दूसरी जगह कर दिया है ।

(क) कबूतर लेखक के घर में दिन में कई बार क्यों आते-जाते रहते हैं ? 2

(ख) कबूतरों के आने से लेखक को घर में क्या-क्या नुकसान झेलने पड़े ? 2

(ग) परेशानी से बचने के लिए लेखक की पत्नी ने क्या उपाय किया ? 1

अथवा

ख़ुद ऊपर चढ़ें और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें, यही महत्त्व की बात है । यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने किया है । समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों-जैसा कुछ है तो वह आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है । व्यवहारवादी लोगों ने तो समाज को गिराया ही है ।

(क) आदर्शवादी लोग क्या करते हैं ? 2

(ख) आदर्शवादी लोगों की समाज को क्या देन है ? 2

(ग) व्यवहारवादियों ने समाज के लिए क्या किया ? 1

14. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3 \times 3 = 9$

(क) 'आत्मत्राण' कविता में कवि यह क्यों नहीं चाहता कि प्रभु ही उसकी विपत्तियों को दूर करें ?

(ख) महादेवी वर्मा ने 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता में अपने दीप को धीरे-धीरे जलने के लिए क्यों कहा है और वह दीपक के द्वारा किसका पथ आलोकित करना चाहती है ?

(ग) 'कर चले हम फ़िदा' कविता में ज़मीन में ख़ून की रेखा खींचने का क्या तात्पर्य है और 'रावण' शब्द किसके लिए प्रयुक्त किया गया है ?

(घ) श्रीकृष्ण की बाँसुरी छिपाने के पीछे गोपियों का क्या प्रयोजन निहित है ? स्पष्ट कीजिए ।

15. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) टोपी और इफ़्फ़न की परंपराएँ, सोच अलग-अलग थी फिर भी उन दोनों में इतना मेल क्यों था ? कारण देते हुए स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'इफ़्फ़न की दादी मुस्लिम विचारधारा की तरह हिन्दू विचारधारा से भी प्रभावित थीं' उदाहरण-सहित स्पष्ट कीजिए ।

(ग) टोपी द्वारा 'अम्मी' शब्द के प्रयोग करने पर उसके घर वालों की क्या प्रतिक्रिया हुई ? प्रतिक्रिया के औचित्य-अनौचित्य को तर्कों के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

16. "बालमन 'स्वार्थ' से चलायमान न होकर 'अपनेपन' से चलायमान होता है । यही अपनापन मानव-मानव के मध्य सद्भाव का जनक माना जाता है ।" टोपी शुक्ला का इफ़्फ़न की दादी एवं घर की नौकरानी सीता के साथ सम्बन्धों के परिप्रेक्ष्य में उपर्युक्त कथन की विवेचना कीजिए । *4*

खण्ड घ

17. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) इन्टरनेट का युग

- क्या है ? और इसकी आवश्यकता
- लाभ और हानि
- सदुपयोग के उपाय

(ख) ओलंपिक खेल और भारत की उपलब्धि

- ओलंपिक खेल क्या है और उसकी व्यापकता
- भारत की हिस्सेदारी
- प्रभाव

(ग) पर्यावरण का बिगड़ता रूप

- अर्थ और कारण
- सामान्य प्रभाव
- उपाय

18. विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर मध्यावकाश में विद्यालय-द्वार पर हानिकारक खाद्य बेचने वालों को हटाने के लिए निवेदन कीजिए । *5*

अथवा

अपने नगर के पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर बस द्वारा विद्यालय आने-जाने वाली छात्राओं की असामाजिक तत्त्वों से सुरक्षा के लिए अनुरोध कीजिए ।